व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने पर जोर

बहुपक्षीय आर्थिक सहयोग को मजबूत करने का लक्ष्य

शंघाई सहयोग संगठन ने 2026-2030 कार्ययोजना को हरी झंडी दी

बीजिंग, 13 नवंबर. शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों ने वर्ष 2030 तक व्यापार और आर्थिक सहयोग को सुदृढ़ करने के लिए बहुपक्षीय कार्ययोजना पर सहमति व्यक्त की है. इस महत्वपूर्ण निर्णय का उद्देश्य सदस्य देशों के बीच निवेश, व्यापार और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना है.

एससीओ सचिवालय के अनुसार, 10 से 12 नवंबर तक रूस की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से विशेषज्ञ समूह ने 2026-2030 की कार्ययोजना का मसौदा तैयार किया और इस पर आम सहमति बनी. योजना के पाठ को अब आगामी 18 नवंबर को होने वाली एससीओ शासनाध्यक्षों की परिषद की बैठक में प्रस्तावित दस्तावेजों में शामिल किया जाएगा.

शंघाई सहयोग संगठन, जिसकी स्थापना 2001 में हुई थी, में भारत, चीन, रूस, पाकिस्तान, ईरान और मध्य एशियाई देश शामिल हैं. पिछले वर्ष बेलारूस भी सदस्य बना. एससीओ का यह कदम न केवल सदस्य देशों के आर्थिक विकास को गति देगा, बल्कि क्षेत्रीय सहयोग और स्थिरता को भी मजबूत करेगा.

शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य देशों ने बहुपक्षीय व्यापार और आर्थिक सहयोग को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से वर्ष 2026 से 2030 तक की कार्ययोजना पर सहमति व्यक्त की है. यह योजना एससीओ देशों के बीच निवेश, व्यापार, उद्योग और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में सहयोग को नई दिशा देने के लिए तैयार की गई है.

> इस योजना में सदस्य देशों के बीच व्यापार बाधाओं को कम करने, निवेश अवसरों को बढ़ाने और आर्थिक परियोजनाओं में साझा सहयोग को बढ़ावा देने के उपाय शामिल हैं. एससीओ, जिसकी स्थापना 2001 में हुई थी, में भारत, चीन, रूस, पाकिस्तान, ईरान, कज़ाखस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज़्बेकिस्तान शामिल हैं. पिछले वर्ष बेलारूस भी सदस्य बना. इसके अलावा, अफ़ग़ानिस्तान और मंगोलिया पर्यवेक्षक देश हैं और अज़रबैजान, आर्मेनिया, बहरीन, मिस्र, कंबोडिया, कतर, कुवैत, म्यांमार, नेपाल, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, तुर्की और श्रीलंका संवाद सहयोगी देशों के रूप में जुड़े हैं. विशेषज्ञों के अनुसार, इस कार्ययोजना का क्रियान्वयन एससीओ देशों के बीच व्यापार, आर्थिक सहयोग और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेगा.

शेयर बाजारों में आई तेजी

मुंबई, 13 नवंबर. घरेलू शेयर बाजारों में गुरुवार को कुल मिलाकर बिकवाली हावी रही, हालांकि प्रमुख सूचकांक दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद अंत में लगभग सपाट बंद हुए. बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 12.16 अंक (0.01 प्रतिशत) की मामूली बढ़त से 84,478.67 अंक पर पहुंच गया. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 3.35 अंक यानी 0.01 फीसदी चढ़कर 25,879.15 अंक पर बंद हुआ. दोनों सूचकांक लगातार चौथे दिन हरे निशान में बंद हुए हैं. मझौली और छोटी कंपनियों में बिकवाली देखी गयी. निफ्टी में मिडकैप और स्मॉलकैप के सभी सूचकांक लाल निशान में बंद हुए. निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.34 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.37

खालिद अल फलीह ने सीतारमण और गोयल से की द्विपक्षीय वार्ता

भारत-सऊदी रिश्ते और गहरे, निवेश व व्यापार पर हुई चर्चा

भारत में सऊदी निवेश बढ़ाने पर केंद्रित रहीं मंत्री स्तरीय बैठकें

नयी दिल्ली 13 नवंबर. भारत की यात्रा पर आये सऊदी अरब के निवेश मंत्री खालिद अल फलीह ने राजधानी में वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ अलग अलग बैठकें की तथा द्विपक्षीय आर्थिक एवं व्यापारिक सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा की.

वित्त मंत्री सीतारमण के साथ सऊदी अरब के मंत्री की बैठक के बारे में वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स के अपने पृष्ठ पर एक पोस्ट में बताया कि दोनों नेताओं ने दोनों पक्षों के अधिकारियों के साथ बैठक की. बैठक में द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) पर चर्चा की गयी और एक दूसरे के बीच प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के मजबूत संबंधों को आगे और विस्तार देने तथा आपसी सहयोग बढ़ाने के लिए निवेश संधि के लिए चर्चाओं को जल्द से जल्द पूरा किये जाने की इच्छा जतायी है. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री गोयल ने सऊदी अरब के निवेश मंत्री के साथ हुई मुलाकात पर खुशी जाहिर करते हुए कहा, हमने भारत-सऊदी अरब के आर्थिक संबंधों को और गहरा करने, तकनीक, ऊर्जा, बुनियादी ढाँचे और स्टार्टअप सहित अन्य क्षेत्रों में व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा की.

वाणिज्य मंत्री ने कहा कि भारत और सऊदी अरब के बीच साझेदारी आपसी विश्वास और साझा समृद्धि की भावना पर आधारित होने से लगातार मजबूत होती जा रही है.

दोनों देशों के बीच उच्चस्तरीय यात्राओं का सिलसिला बढ़ा

वित्त वर्ष 2024-25 में भारत और अपनी अर्थव्यवस्था का विविधीकरण कर रहे तेल और गैस के प्रमुख उत्पादक एवं निर्यातक सऊदी अरब के बीच 41.88 अरब डॉलर का व्यापार हुआ था रहा, जिसमें भारत से निर्यात 11.76 अरब डॉलर का निर्यात और सऊदी अरब से आयात 30.12 अरब डॉलर का था. भारत वहां से मुख्य रूप से कच्चे तेल और पेट्रोकेमिकल उत्पादों का आयात करता है, जबकि सऊदी अरब भारत के इंजीनियरिंग सामान, वस्त्र और खाद्य उत्पादों जैसे कई क्षेत्रों से सामान खरीदता है. हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच उच्चस्तरीय यात्राओं का सिलसिला बढ़ा है.

जुलाई में लौटेगा भारत का वैश्विक टेक्सटाइल मेगा इवेंट

नई दिल्ली, 13 नवंबर. भारत टेक्स ट्रेड फेडरेशन ने देश के सबसे बड़े टेक्सटाइल और परिधान आयोजन 'भारत टेक्स 2026' के तीसरे संस्करण की घोषणा की है. यह आयोजन 14 से 17 जुलाई 2026 तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में होगा.

क्ब्ञ्झ्र्स्र के चेयरमैन नरेन गोयनका ने बताया कि 2024 और 2025 के सफल संस्करणों के बाद यह इवेंट भारत की पूरी टेक्सटाइल वैल्यू चेन को एक मंच पर लाएगा. आयोजन प्रधानमंत्री के 5स्र विज़न खेत से फाइबर,फाइबर से फैक्ट्री, फैक्ट्री से फैशन और फैशन से विदेशी को और आगे बढ़ाएगा.

पिछले वर्ष का आयोजन 2.2 मिलियन वर्ग फुट क्षेत्र में हुआ था, जिसमें 120 देशों से 6,000 अंतरराष्ट्रीय खरीदार, 5,000 प्रदर्शक और 1.2 लाख से अधिक दर्शक शामिल हुए थे. इस दौरान 2.5 अरब डॉलर के निर्यात अवसर और 2,100 करोड़ रुपये से अधिक निवेश प्रतिबद्धताएं दर्ज की गईं.

सह-अध्यक्ष भद्रेश डोढिया के अनुसार, इस बार का मुख्य आकर्षण होगा ग्लोबल टेक्सटाइल डायलॉग 2026, जहां विश्व के उद्योग नेता, नीति निर्माता और विशेषज्ञ इंडस्ट्रीज 4.0, ESG, अनुसंधान और सहयोग जैसे विषयों पर चर्चा करेंगे. भारत टेक्स 2026 का उद्देश्य MSME, स्टार्टअप्स और कारीगरों को वैश्विक बाजारों और निवेशकों से जोड़ना है.

कैबिनेट सचिवालय में सुरक्षा सचिव बने पराग जैन

नई दिल्ली, 13 नवंबर. मंत्रिमंडल की नियुक्तियों संबंधी समिति ने भारतीय पुलिस सेवा के वरिष्ठ अधिकारी एवं केंद्रीय खुफिया एजेंसी अनुसंधान एवं विश्लेषण विंग (रॉ) के सचिव पराग जैन को कैबिनेट सचिवालय में सचिव (सुरक्षा) के पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है. जैन आईपीएस के 1989 बैच के पंजाब काडर के अधिकारी हैं.

लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के बुधवार को जारी एक एक परिपत्र के अनुसार यह निर्णय तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है और संबंधित पद पर नियमित पदधारी की नियुक्ति होने या उससे पहले जारी आदेश तक लागू रहेगा.

टीएफएस ने दूसरी तिमाही में दिखाई मजबूती

देश में 500+ क्यूएसआर और लॉन्ज के साथ कारोबार में तेजी

हवाई अड्डों पर टीएफएस का विस्तार जारी

नयी दिल्ली, 13 नवंबर. देश के विभिन्न शहरों में ट्रैवल क्यूएसआर (क्विक सर्विस रेस्टोरेंट्स) और लॉन्ज का परिचालन करने वाली कंपनी ट्रैवल फूड सर्विस लिमिटेड (टीएफएस) का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में समग्र आधार पर 15.3 प्रतिशत बढ़कर 97.9 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है.

कंपनी ने गुरुवार को वित्तीय परिणामों की घोषणा करते हुए बताया कि जुलाई-सितंबर तिमाही में पूरे तंत्र में उसकी कुल ब्रिकी 18.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 728.4 करोड़ रुपये रहा. उसने 30 सितंबर 2025 के आंकड़ों के हवाले से बताया कि वह देश में 500 से अधिक क्यूएसआर और लॉन्ज का संचालन कर रही है. तिमाही के दौरान उसने कोचीन एयरपोर्ट और दिल्ली हवाई अड्डे के टर्मिनल-2 पर आउटलेट शुरू किये हैं.

टीएफएस के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी वरुण कपूर ने कहा कि आलोच्य तिमाही में कंपनी के आउटलेट की संख्या 500 से अधिक हो गयी. तिमाही प्रदर्शन अच्छा रहा.

उन्होंने कहा कि जून से हवाई यात्रियों की संख्या में कमी के बाद अब धीरे-धीरे इसमें सुधार हो रहा है. नोएडा और नवी मुंबई से भी उड़ान शुरू होने के साथ कंपनी अपने आउटलेट शुरू करने के लिए तैयार है.

रेप्को होम ने दूसरी तिमाही के नतीजे जारी किए

फाइनेंस का शुद्ध लाभ रुपए 107 करोड़ पहुंचा

चेन्नई, 13 नवंबर. रेप्को होम फाइनेंस लिमिटेड के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही (30 सितंबर 2025 तक) के वित्तीय परिणामों को मंजूरी दी. कंपनी ने इस अवधि में रुपए 107 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया.

> तिमाही के दौरान ऋण स्वीकृतियाँ 1,206 करोड़ और ऋण वितरण 1,069 करोड़ रहा, जो क्रमश: पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 30.2 प्रतिशत और 23.3 प्रतिशत अधिक है. कंपनी की कुल आय ?446 करोड़ और शुद्ध ब्याज आय ?201 करोड़ रही, जो क्रमश: 4.2 प्रतिशत और 7.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है. ऋण प्रसार 3.4प्रतिशत पर स्थिर रहा. परिसंपत्तियों पर प्रतिफल 2.9 प्रतिशत और इक्विटी पर प्रतिफल 13.5 प्रतिशत दर्ज किया गया, जबकि पिछले वर्ष की समान तिमाही में ये क्रमश: 3.3प्रतिशत और 16 प्रतिशत थे.

30 सितंबर 2025 तक कंपनी की कुल ऋण पुस्तिका रुपए 15,033 करोड़ रही, जो पिछले वर्ष की तुलना में 7.7 प्रतिशत अधिक है. गैर-वेतनभोगी ग्राहकों का हिस्सा 52.6प्रतिशत और वेतनभोगी वर्ग का 47.4 प्रतिशत रहा. आवास ऋणों का कुल ऋणों में 71.4 प्रतिशत और होम इक्विटी उत्पादों का 28.6 प्रतिशत हिस्सा रहा. कंपनी की सकल एनपीए घटकर 475 करोड़ और शुद्ध एनपीए 225 करोड़ रहा. एक वर्ष पहले ये अनुपात क्रमश: 3.96 प्रतिशत और 1.59 प्रतिशत थे.

सोने-चांदी के भाव में तेजी

नयी दिल्ली, 13 नवम्बर. भारत के सोने-चांदी बाजार में जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है. जारी दरों के अनुसार, 24 कैरेट सोना 12,780 प्रति ग्राम तक पहुँच गया है, जो कल की तुलना में 229 की बढ़त दर्शाता है. इसी तरह चांदी में भी भारी उछाल आया है और इसके भाव में 10,000 प्रति किलो की वृद्धि दर्ज की गई है.

विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक स्तर पर सोने की मांग बढ़ने और डॉलर इंडेक्स में गिरावट के चलते कीमती धातुओं में यह तेजी आई है. इसके साथ ही घरेलू त्योहारी सीजन और निवेशकों की बढ़ी खरीदारी ने भी दामों को ऊपर धकेला है.

देशभर के प्रमुख शहरों - दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, जयपुर, पुणे, कोलकाता और पटना — में आज सोने के रेट में एकसमान उछाल देखने को मिला है. इस बढ़त से आभूषण कारोबारियों के चेहरे खिल उठे हैं, जबकि निवेशक अब अगले सप्ताह की कीमतों पर नज़र बनाए हुए हैं. देशभर में सोने और चांदी के दामों में गुरुवार को जोरदार तेजी देखी गई. 24 कैरेट सोना 12,780 प्रति ग्राम पर पहुंच गया, जो बुधवार के 12,551 प्रति ग्राम से 229 की वृद्धि को दर्शाता है.

कूलब्रूक के साथ अडानी सीमेंट की साझेदारी

नेट जीरो मिशन की ओर अडानी समूह का बड़ा कदम

अहमदाबाद, 13 नवंबर. अडानी समूह आंध्र प्रदेश स्थित अपने बोयारेड्डीपल्ली इंटीग्रेटेड सीमेंट प्लांट में सीमेंट डीकार्बोनाइजेशन के लिए कूलब्रूक की रोटोडायनामिक हीटर (आरडीएच) तकनीक का इस्तेमाल करेगा. कंपनी ने बताया कि कूलब्रूक की आरडीएच तकनीक का पहली बार औद्योगिक पैमाने पर उपयोग किया जा रहा है.

अडानी सीमेंट ने साल 2050 तक नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है जबकि कूलब्रुक ने वैश्विक स्तर पर भारी उद्योग क्षेत्रों में 2.4 अरब टन वार्षिक सीओ2 कटौती का लक्ष्य निर्धारित किया है. आरडीएच तकनीक सीमेंट उत्पादन में सबसे ज्यादा कार्बन उत्सर्जन वाले कैल्सीनेशन के चरण को कार्बन मुक्त करेगी. इससे सालाना लगभग 60,000 टन कार्बन उत्सर्जन में सीधे तौर पर कमी आने की उम्मीद है, और आने वाले समय में इसमें 10 गुना वृद्धि की संभावना है. आरडीएच प्रणाली पूरी तरह से अडानी सीमेंट के बड़े पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो से संचालित होगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि उत्पन्न औद्योगिक ऊष्मा पूरी तरह से उत्सर्जन मुक्त हो.

समाचार विशेष

आठ सीटों के उपचुनाव में दमदार लड़ाई

नई दिल्ली. आमतौर पर उपचुनाव में पार्टियां ज्यादा दम नहीं लगाती हैं. अगर उपचुनाव के नतीजे से सरकार की सेहत पर फर्क नहीं पड़ने वाला हो तब तो कोई जोर नहीं लगाता है. लेकिन इस बार आठ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव में पक्ष और विपक्ष दोनों तरफ से गजब दम लगाया गया है, जबकि इन सीटों के नतीजों से सरकार की सेहत पर कोई असर नहीं पड़ने वाला है.

चाहे जम्मू कश्मीर की बडगाम और नागरोटा सीट का मामला हो या राजस्थान की अंता सीट का और ओडिशा की नुआपाड़ा सीट का हो या तेलंगाना की जुबली हिल्स, झारखंड की घाटशिला सीट या पंजाब की तरनतारन सीट का मामला हो. सभी राज्यों में सरकारों की ओर से जबरदस्त तैयारी के साथ यह चुनाव लड़ा गया तो विपक्ष की ओर से भी पूरी ताकत से चुनाव लड़ा गया.

कश्मीर की बडगाम सीट मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के इस्तीफे से खाली हुई है. उस सीट पर उनकी प्रतिष्ठा दांव पर है. भाजपा से ज्यादा पीडीपी उस सीट को हराने में लगी है. उमर की पार्टी के सांसद आगा रूहुल्ला खान ने उस सीट पर प्रचार से मना कर दिया, जिससे चुनाव और दिलचस्प हो गया.

> नागरोटा सीट भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह के भाई देवेंद्र सिंह के निधन से खाली हुई है तो वहां भाजपा की प्रतिष्ठा दांव पर है. ओडिशा की नुआपाड़ा सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने पूरी ताकत झोंकी है. वे खराब सेहत के बावजूद खुद प्रचार कर रहे हैं क्योंकि भाजपा ने इस सीट से उनके दिवंगत विधायक के बेटे को तोड़ कर टिकट दे दिया है. तेलंगाना की जुबली हिल्स सीट के लिए तो कांग्रेस ने मोहम्मद अजहरुद्दीन को एमएलसी बना कर मंत्री बनाया है. राजस्थान की अंता सीट मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के राजनीतिक कौशल और एक साल के प्रशासनिक कामकाज की परीक्षा वाला है.

करणी सेना के ऐलान से राजनीति में हलचल

आगरा. उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में करणी सेना 50 प्रत्याशी उतारेगी. संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरज पाल सिंह अम्मू ने कमला नगर में मुगल रोड स्थित नेचर रिजार्ट में आयोजित पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी.

वे यहां संवाद से समाधान तक बैठक में भाग लेने पहुंचे थे. बैठक में संगठन को मजबूत करने और आगामी रणनीति पर चर्चा की गई. इस दौरान सूरज पाल उम्मू ने कहा कि करणी सेना वर्ष 2027 में होने वाले विधान सभा चुनाव में 50 सीटों पर प्रत्याशी उतारेगी. उन्होंने यह भी कहा कि यह चुनाव किसी दल के साथ गठबंधन में लड़ा जाएगा या स्वतंत्र रूप से इसका निर्णय समय आने पर किया जाएगा. बैठक में प्रदेश अध्यक्ष आशीष चौहान, ब्रज प्रांत अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह मीनू, महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष विदुषी सिंह, पंकज जादौन, दुष्यंत कुमार, शौर्यवीर सिंह, सुमित तोमर, कपिल गौतम और अरविंद राणा मौजूद रहे.

एमसीडी चुनाव में आप की मुश्किल

नई दिल्ली. राजधानी दिल्ली में नगर निगम चुनाव में अभी दो साल बाकी हैं लेकिन उससे पहले एक मिनी चुनाव हो रहा है. विधानसभा चुनाव में कई पार्षदों के विधायक बन जाने और अन्य वजहों से खाली हुई एमसीडी की 12 सीटों पर चुनाव हो रहा है. नगर निगम के पिछले चुनाव में भाजपा ने आम आदमी पार्टी को हरा कर निगम पर कब्जा किया था. अब दोनों के लिए 12 सीटों का चुनाव प्रतिष्ठा की लड़ाई है.

आम आदमी पार्टी को दिखाना है कि दिल्ली में उसका आधार पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है. यह इसलिए जरूरी है क्योंकि अब पंजाब विधानसभा चुनाव में डेढ़ साल से भी कम समय रह गया है और आम आदमी पार्टी को हर हाल में पंजाब की सरकार बचानी है. वह सरकार बचेगी तभी गुजरात या गोवा जैसे किसी राज्य में पार्टी की पैदा होगी और दिल्ली में वापसी की संभावना बनेगी. इसमें तरनतारन विधानसभा सीट का उपचुनाव भी अहम है. दूसरी ओर भाजपा को दिखाना है कि साल के शुरू में उसको जो समर्थन मिला था वह कायम है. दिल्ली में भाजपा की रेखा गुप्ता की सरकार बने एक साल नहीं हुए हैं. लेकिन पहले साल में ही लोगों ने बारिश में नालों का जाम होना और सड़कों का जलजमाव भी देख लिया, छठ पर यमुना की गंदगी भी देख ली और अब सर्दियों में वायु प्रदूषण भी देख लिया. तभी भाजपा के लिए यह चुनाव मुश्किल होना चाहिए था लेकिन ऐसा लग रहा है कि विपक्षी पार्टी आप ही ज्यादा मुश्किल में है.

> पहले तो उसके पूर्व विधायक शुएब इकबाल ने पार्टी छोड़ दी. उनके बेटे आले मोहम्मद इकबाल मटिया महल से आप के विधायक हैं. दोनों पिता, पुत्र चांदनी महल वार्ड से अपने रिश्तेदार को आप का उम्मीदवार घोषित कर चुके थे लेकिन आप ने इनकी पसंद को खारिज करके अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया. इसके बाद आप ने कहा कि इस बार उसने सिर्फ अपने जमीनी कार्यकर्ताओं को टिकट दिया है. बाहर से आए लोगों को या नेताओं के रिश्तेदारों को नही दिया है. लेकिन पार्टी की तैयारियों में इतनी कमी दिखी कि उसने ढिचाऊं कलां की महिलाओं के लिए आरक्षित सीट पर पुरुष उम्मीदवार की घोषणा कर दी. इसी तरह चार साल पहले रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार एक महिला को भी आप ने टिकट दिया है.

विशेष | मुस्लिम राजनीति में ओवैसी के कद का होगा फैसला!

सीमांचल के नतीजों से तय होगी एआईएमआईएम की किस्मत

पटना. बिहार चुनाव इस बार काफी धमाकेदार रहा है और जमकर जुबानी तंज और चुनावी वादे हुए हैं. इस विधानसभा चुनाव में सीमांचल के नतीजे बिहार की राजनीति ही नहीं एआईएमआईएम और ओवैसी की मुस्लिम राजनीति को गहराई तक प्रभावित कर सकते हैं. मुस्लिम वोटों पर आधारित राजनीति करने वाले ओवैसी के दूसरे प्रदेशों में पार्टी की जड़ें बनाने के सपने और भविष्य दोनों का निर्धारण होगा.

ओवैसी ने बिहार विधानसभा 2020 में प्रदेश की राजनीति में कदम रखा था. सीमांचल में उन्होंने महागठबंधन को तगड़ा नुकसान पहुंचाया था. उनकी पार्टी से 5 विधायक जीते, लेकिन उनमें से 4 बाद में आरजेडी में चले गए. हालांकि, इस बार उन्होंने इंडिया गठबंधन में शामिल होने की इच्छा जताई थी लेकिन तेजस्वी यादव ने दिलचस्पी नहीं दिखाई. असदुद्दीन ओवैसी और उनकी पार्टी खुले तौर पर खुद को मुसलमानों के रहनुमा और उनका असली प्रतिनिधि होने का दावा करती है.

संसद हो या सड़क वह खुलकर मोदी सरकार की मुखालफत करते हैं. तीन तलाक से लेकर वक्फ कानूनों का उन्होंने कड़ा विरोध किया है. ओवैसी ने तेलंगाना के बाहर महाराष्ट्र और बिहार की राजनीति में किस्मत आजमाई और उन्हें सीमित सफलता भी मिली. वह खास तौर पर मुस्लिम बहुल इलाकों में ही अपने उम्मीदवार उतारते रहे हैं.

जाति-धर्म और वादों का सियासी खेल! - किन बातों के लिए याद किया जाएगा इस बार का चुनाव? बिहार विधानसभा चुनाव में अगर इस बार भी वह अपना पिछला प्रदर्शन दोहराते हैं, तो उनके लिए आगे की संभावनाएं बनेंगी. हालांकि, अगर इस बार उन्हें सफलता नहीं मिलती है तो यह भी तय हो जाएगा कि पिछली चुनाव में मिली जीत किसी स्थायी विकल्प की संभावना नहीं थी. एक संभावना यह भी है कि अगर ओवैसी की सीटें कम भी होती हैं, लेकिन उनका मत प्रतिशत बरकरार रहता है, तो यह मुस्लिम राजनीति की दिशा बदल सकती है.

बिहार के बाद एआईएमआईएम बंगाल और यूपी के मुस्लिम बहुल आबादी में अपनी पैठ बनाने की कोशिश करेगी.

> ### सीमांचल में ऐसा है मुस्लिम वोटों का गणित
>
> सीमांचल की बात करें, तो यहां 24 सीटें हैं और मुस्लिम वोट निर्णायक स्थिति में रहते हैं. मुस्लिम वोटों की आबादी 25 फीसदी से लेकर 70 फीसदी तक है. किशनगंज में 67 प्रतिशत मुस्लिम, कटिहार में 42 प्रतिशत, अररिया में 41 प्रतिशत और पूर्णिया में 37 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है. ओवैसी ने पहले 32 सीटों पर उम्मीदवार उतारने का ऐलान किया था, लेकिन आखिर में उन्होंने कुल 25 सीटों पर ही अपने कैंडिडेट्स उतारे हैं. पिछले चुनाव में ओवैसी ने सीमांचल में मुस्लिम वोट बैंक में सेंध लगाई थी. इसी क्षेत्र में महागठबंधन का प्रदर्शन सबसे खराब रहा था और एनडीए को 12 सीटों पर जीत मिली थी, जबकि महागठबंधन सिर्फ 7 सीटें ही जीत पाई थी.